

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

PART II--Section 3-Sub-section (fi)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

लं० 456]

नर्षे विल्ली, मंगलवार, भ्रक्तूबर 19, 1976/झादियम 27, 1898

No. 456]

NEW DELHI, TURSDAY, OCTOBER 19, 1976/ASVINA 27, 1898

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

CORRIGENDA

WEALTH-TAX

New Delht, the 19th October 1976

S.O. 681(E).—In the notification of the Central Board of Direct Taxes No. S.O. 147(E), dated the 1st March, 1976, published at pages 475 and 476 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II-Section 3, Sub-section (ii), dated the 1st March, 1976,—

- (1) at page 475, in line 18, for "Statement of tax pald on sale assessment (See Note)", read "STATEMENT OF TAX PAID ON SELF ASSESSMENT (See NOTE)";
- (2) at page 476,—
 - (i) in line 9, for 'years",', read 'years.",';
 - (ii) In line 22, for "(See section G of Part III of this return)", read "(See section G of Part III of this return)";
 - (iii) in lines 23 and 24, for "Statement of Transferred Assets", "Converted Property" and 'Gift of Money by means of Book Entries"—vide", read "STATEMENT OF TRANSFERRED ASSETS", "CONVERTED PROPERTY" AND 'GIFT OF MONEY BY MEANS OF BOOK ENTRIES"—VIDE".

[No. 1528/F.No.143(1)/76-TPL]

S. L. SHENDE, Secy.

क म्ह्रीय प्रस्यक्ष कर बीर्ड

शद्धि पन्न

धन-कर

नई दिल्ली, 19 श्रमतुबर, 1976

कां श्रां 682 (श).--भारत के राजपत, श्रसाधारण, के भाग-II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 1 मार्च, 1976 के पुष्ठ 476 से 478 पर प्रकाशित केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर वोर्ड की अधिसूचना संख्या का०मा० 147 (म्र) में,

- 1. पुष्ठ 476 पर,---
 - (i) प्रथम पंक्ति में "िन्द्रीय" के स्थान पर "केन्द्रीय" पहें।
 - (ii) श्राठवीं पंकित में "निथयमों" के स्थान पर "नियमों" पहें।
- 2. प्**ष्ठ 477** पर,--
 - (i) पांचवीं पंक्ति में "निर्धारित" के स्थान पर "निर्धारिती" पढ़ें।
 - (ii) तालिका के नीचे "टिप्पण,---" के स्थान पर "टिप्पण:" पढ़ें।
 - (iii) तेइसवीं पंक्ति में "करावास" के स्थान पर "कारावास" पढ़ें।
 - (iv) उन्नतीसदीं पंक्ति में "प्राबंचन" के स्थान पर "प्रपवंचन" पढें।
- 3. पुष्ठ 478 पर,--
 - (i) प्रथम पंक्ति में ''किसी श्रन्य मामले में'' शब्दों के पश्चात् श्राने वाले दो श्रद्धे विरामों में से एक का लोप किया जाए।
 - (ii) चौथी पंक्ति से विराम चिन्ह हटा दिया जाय ।
 - (iii) सातवीं पंक्ति में ' ''छ'' 'के स्थान पर " 'छ' '' पढ़ें।
 - (iv) श्राठवीं पंक्ति में ! "श्रन्तरित श्रास्तियों", "संपरिवर्तित रूम्पति" श्रीर लेखा पुस्तकों के स्थान पर ''क्रमणः 'श्रन्तरित श्रास्तियों', 'संपरिवर्तित सम्पति' श्रोर लेखा-पूस्तकों'' पद्रें।
 - (▼) तेरहवीं पंक्ति में ''अन्तरिती आस्तियों"' के स्थान पर '' 'अन्तरित आस्तियों'"
 - (Vi) उन्नीसनी पंक्ति में ''लेखा पुस्तकों में प्रविष्टियों के माध्यम से धन का दान'' के स्थान पर '' 'लेखा-पुस्तकों में प्रविष्टियों के माध्यम से धन का दान' '' पढें ।
 - (♥ii) पच्चीसवीं पंक्ति में "प्रतिनिर्देश्य" के स्थान पर 'प्रति-निर्देश्य' पढ़ें।

[सं० 1529/फा० सं० 143(1)/76-टी॰पी॰एल०]

एस० एन० शेंडे; सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मृद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मृद्रित सथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976 PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI (AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976